भारत सरकार
मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
मत्स्यपालन विभाग

लोकसभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3946
25 मार्च 2025 को उत्तर के लिए

जलकृषि और समुद्री निर्यात

3946. श्री बालाशौरी वल्लभनेनी:

क्या मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत वर्ष के दौरान समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एमपीईडीए) द्वारा जलकृषि और समुद्री निर्यात में सततता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कितनी परियोजनाओं कार्यान्वित की गई है;

(ख) इन परियोजनाओं का परियोजनावार ब्यौरा क्या है और इनके क्या परिणाम है; और

(ग) झींगा पालन और समुद्री शैवाल की खेती में पर्यावरणीय रूप से सतत प्रथाओं को सुनिश्चित बनाने के लिए एमपीईडीए ने क्या उपाय किए हैं?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री

(श्री जॉर्ज कुरियन)

(क) से (ख) : वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार, ने सीफूड के निर्यात को सुविधाजनक बनाने के लिए एक समर्पित एजेंसी के रूप में मरीन प्रोडक्टस एक्सपोर्ट अथॉरिटी (एमपीईडीए) की स्थापना की है। एमपीईडीए, समुद्री राज्यों में अपने क्षेत्रीय कार्यालयों और एनएसीएसए (नेशनल सेन्टर फॉर सस्टेनेबल एक्वाकल्चर), नेटफिश (नेटवर्क फॉर फिश क्वालिटी मैनेजमेंट एंड सस्टेनेबल फिशिंग) और आरजीसीए (राजीव गांधी सेन्टर फॉर एक्वाकल्चर) जैसी पंजीकृत समितियों के माध्यम से सस्टेनेबल एक्वाकल्चर और समुद्री निर्यात को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न गतिविधियाँ चला रहा है। एक्वाकल्चर में, एमपीईडीए ने बेहतर प्रबंधन पद्धतियों के लिए क्षमता निर्माण पर, "शाफारी" प्रमाणन और एलिसा लैब्स जैसी पहलों के माध्यम से एंटीबायोटिक के न्यूनीकरण पर और एक्वा वन सेन्टर्स और मोबाइल लैब्स के माध्यम से रोग नियंत्रण पर फोकस किया है। एमपीईडीए ने एनएसीएसए के माध्यम से सस्टेनेबल श्रिम्प फार्मिंग को सहायता प्रदान की और आरजीसीए के माध्यम से सात प्रौद्योगिकी हस्तांतरण परियोजनाओं का संचालन किया। समुद्री क्षेत्र में, एमपीईडीए ने मुख्य रूप से नेटफिश के माध्यम से टर्टल एक्सक्लूडर डिवाइस (टीईडी) के कार्यान्वयन के लिए कार्यशालाएं और परीक्षण आयोजित किए, यूस मरीन मैमल प्रोटेक्शन एक्ट (एमपीए) अनुपालन के लिए मरीन मैमल स्टॉक असेसमेंट को सपोर्ट किया, स्क्वायर मेश कॉड एंड जैसे इको फ्रेंडली फिशिंग गियर को बढ़ावा दिया, और कई तटीय सफाई अभियान और प्लास्टिक संग्रह परियोजनाएं और व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम और बैठकें आयोजित कीं। इन परियोजनाओं और उनके परिणामों का विवरण, परियोजना-वार अनुबंध-I और II में दिया गया है।

(ग) : एमपीईडीए ने इको फ्रेंडली प्रैक्टिसेस, जिम्मेदार रिसोर्स मेनेजमेंट और रोग निवारण रणनीतियों को प्रोत्साहित करके पर्यावरणीय रूप से सस्टेनेबल श्रिम्प फार्मिंग को बढ़ावा देने के लिए कई उपायों को कार्यान्वित किया है। एमपीईडीए फार्म/हैचरी एनरोलमेंट और शाफारी प्रमाणन कार्यक्रमों के माध्यम से गुणवत्ता और ट्रेसबिलिटी क्षमता भी सुनिश्चित करता है, जिसमें जियोग्राफिकल मैपिंग और विशिष्ट पहचान संख्याक शामिल है। एमपीईडीए नर्सरी रियरिंग इकाइयों और श्रिम्प हैंडलिंग सेन्टरों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करके इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास को सपोर्ट करता है, जिसका उद्देश्य सस्टेनेबल प्रैक्टिस को बढ़ाना और निर्यात के लिए उच्च गुणवत्ता वाले, सुरक्षित श्रिम्प उत्पादन को सुनिश्चित करना है। इसके अतिरिक्त, विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से, एमपीईडीए सस्टेनेबल श्रिम्प फार्मिंग को बढ़ावा देता है। सीवीड कल्टीवेशन के संबंध में, प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) सहायता के तहत मल्टिपर्पस सीवीड एक्वा पार्क की स्थापना के लिए सीवीड के गुणवत्तायुक्त जर्मप्लास्म की आपूर्ति तथा तकनीकी परामर्श के लिए एमपीईडीए-आरजीसीए ने तमिलनाडु सरकार के मत्स्यपालन और मात्स्यिकी कल्याण विभाग के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए ।

******

अनुबंध- I

जलकृषि और समुद्री निर्यात के संबंध में 25 मार्च, 2025 को उत्तर के लिए माननीय संसद सदस्य, लोक सभा श्री बालाशौरी वल्लभनेनी, द्वारा पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 3946 के भाग-(क और ख) के उत्तर में उल्लेखित विवरण।

क्रम सं	परियोजना का नाम	उत्पाद/सेवा का नाम	लाभार्थियों की संख्या	आपूर्ति की गई मात्रा
1	एशियन सीबास हैचरी, थोडुवाई, तमिलनाडु	सीबास फिंगरलिंग्स (सं.)	4300	49.8 मिलियन
2	मड क्रैब हैचरी, थोडुवई , तमिलनाडु	क्रैब इन्स्टार (संख्या)	919	11.27 मिलियन
3	जाआईएफटी तिलापिया हैचरी विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश	जाआईएफटी सीड (संख्या)	581	50.48 मिलियन
		जाआईएफटी ब्रूड-फ्राई (सं.)	50	84,295
4	मरीन फिनफिश हैचरी, पोझियूर , केरल	कोबिया फिंगरलिंग्स (सं.)	95	1,25,091
		पोम्पानो (संख्या)	115	5,02,250
5	जलीय संगरोध सुविधाएं एल. वन्नामेई , चेन्नई, तमिलनाडु	एल . वन्नामेई ब्रूडस्टॉक्स (संख्या) को क्वारंटाइन्ड किया गया	4,175	25,26,607
		पी . मोनोडॉन ब्रूडस्टॉक्स (संख्या) को क्वारंटाइन्ड किया गया		28,128
		पी . मोनोडोन पीपीएल (संख्या) को क्वारंटाइन्ड किया गया		1,84,077
		एल . वन्नामेई पीपीएल (सं.)		9,19,431
6	आर्टेमिया डेमो फार्म थारुवैकुलम और उप्पूर , तमिलनाडु	आर्टेमिया बायोमास (किलोग्राम)	725	9400
		आर्टेमिया सिस्ट (टिन्स)		4,673
7	मल्टीस्पीशीस एक्वाकल्चर कम्पलैक्स (एमएसी) वल्लारपदम , केरल	जाआईएफटी सीड (सं.)	8,704	15.68 मिलियन
		सीबास फिंगरलिंग्स (सं.)	1,484	14,12,018
		एट्रोप्लुसुराटेंसिस सीड (संख्या)	690	12,12,425
		पी. मोनोडोन सीड (सं.)	185	89,69,455

आरजीसीए केंद्रीय प्रयोगशालाओं से योगदान

क्र.सं.	प्रयोगशाला	टेस्टिंग (नमूनों द्वारा)	नमूने (संख्या)	लाभार्थियों की संख्या
1	मोबाइल एक्वाकल्चर डिजीज डायग्नोसिस लैबोरेटरी	मोलीकूलार डीसीस डायग्नोसिस (पीसीआर) माइक्रोबायोलॉजी और वाटर पैरामीटर	4,570	1,094
	सेन्ट्रल एक्वाकल्चर पैथोलॉजी लैबोरेटरी	मोलीकूलार डिजीज डायग्नोसिस(पीसीआर), माइक्रोबायोलॉजी और वाटर पैरामीटर , हिस्टोलॉजी रोग निगरानी / एनएसपीएएडी, सीड हेल्थ, पीसीआर-आधारित प्रजातियों की पहचान, अनुक्रमण -आधारित प्रजातियों की पहचान	30,635	4,532
3	सेन्ट्रल एक्वाकल्चर जनेटिक्स लैबोरेटरी		24,897	555

अनुबंध- II

जलकृषि और समुद्री निर्यात के संबंध में 25 मार्च, 2025 को उत्तर के लिए माननीय संसद सदस्य, लोक सभा श्री बालाशौरी वल्लभनेनी द्वारा पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 3946 के भाग-(क और ख) के उत्तर में उल्लेखित विवरण।

क्रम सं	हैंड्स ऑन ट्रेनिंग प्रोग्राम /बैठकें	प्रशिक्षणों/कार्यक्रमों की संख्या	लाभार्थियों की संख्या
1	एशियाई सीबास के लिए मिट्टी के तालाबों में नर्सरी, ग्रो-आउट और केज कल्चर के बेस्ट मेनेजमेंट प्रेक्टीसेस	95	1,814
2	मैंग्रोव मड क्रैब की नर्सरी, ग्रो-आउट और सॉफ्टशेल कल्चर के बेस्ट मेनेजमेंट प्रेक्टीसेस	106	1,909
3	आनुवंशिक रूप से उन्नत तिलापिया (GIFT) का ब्रीडिंग, बीज उत्पादन और ग्रो-आउट फार्मिंग	79	1,165
4	एसपीएफ ब्लैक टाइगर श्रिम्प, पेनेअस मोनोडोन के लिए कृत्रिम गर्भाधान तकनीक का उपयोग ब्रूडस्टॉक प्रबंधन, परिपक्वता और सीड उत्पादन के विशेष संदर्भ में किया गया	4	22
5	मरीन फिनफिश का हैचरी उत्पादन	2	3
6	आर्टीमिया उत्पादन और सिस्ट और बायोमास का प्रसंस्करण	8	265
7	पीसीआर और एक्वाकल्चर पैथोलॉजी में इसका अनुप्रयोग	44	945
8	पीसीआर और जलकृषि आनुवंशिकी अनुसंधान में इसका अनुप्रयोग	37	773
9	आरएएस (री-सर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम)	1	23
10	एमएसी, वल्लारपदम में प्रशिक्षण	13	203
11	अनुसूचित जाति /अनुसूचित जनजाति लाभार्थियों के लिए फार्मर्स सम्मेलन/कार्यक्रम: विविध (डाईवरसिफाईड़) जलकृषि पर/	558	17563